B.A. Sanskrit
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- पंचम

आधारभूत पत्र (Core paper) **Paper Code BSA- G 611**	**संस्कृत साहित्य में राष्ट्रवादी विचार**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

खण्ड – क (Section–A)राष्ट्र की अवधारणाएँ एवं परिभाषाएँ और भारतीय राष्ट्रवाद

खण्ड –ख (Section–B)वैदिक और शास्त्रीय साहित्य में राष्ट्रवादी विचार

खण्ड–ग (Section–C)आधुनिक संस्कृत कविता में राष्ट्रवादी विचार

पाठ्यक्रम का उद्देश्य -

प्राचीन भारत में राष्ट्रवाद की मौलिक अवधारणा का विकास 'राष्ट्र' शब्द के अन्तर्गत हुआ था ।इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत साहित्य में वर्णित भारतीय राष्ट्रवाद की अवधारणा एवं उत्पत्ति विषयक तत्वों से परिचय कराना है ।

पाठ्यक्रम –अध्ययनपरिणाम(Course Outcomes)-

- इस के अध्ययन से छात्र संस्कृतसाहित्य के उदात्त राष्ट्रवाद के सिद्धान्तों को जानकर क्षेष्ठ राष्ट्रनिर्माण में प्रवृत्त होगें ।
- राजनीतिक विविध सिद्धान्तों को जानकर राष्ट्र को उत्तम नेतृत्व प्रदान कर सकेंगे ।

घटकानुरूप विभाजन(Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)
राष्ट्र की अवधारणाएँ एवं परिभाषाएँ और भारतीय राष्ट्रवाद

घटक (Unit)- 1 – राष्ट्र की परिभाषाएँ भारतीय परिप्रेक्ष्य में राष्ट्र और राष्ट्रीयता की अर्थ और परिभाषा -

आधुनिक संदर्भ में, संस्कृत कोशकारों के अनुसार राष्ट्र कीव्युत्पत्ति और अर्थ,विशेष संदर्भ के साथ राष्ट्र की अवधारणा, संस्कृत साहित्य में राष्ट्र , राष्ट्र कीराजनैतिक अवधारणा , सप्तांग कौटिल्य का सिद्धान्त राज्य: - अर्थ-शास्त्र, ६.१, महाभारत,

शान्तिपर्व, ५६.५, शुक्रनीति, 1.61-62।

घटक (Unit)- 2 -राष्ट्रवाद के कारक, देश का नाम और राष्ट्रीय चिन्ह :- राष्ट्रीयता के आवश्यक कारक: राष्ट्रीयएकता, देशभक्ति, स्वतंत्रता, धार्मिकता, सहिष्णुता, राष्ट्रीय गौरव, राष्ट्रीय चेतना और नागरिकता । भारतीय राष्ट्रवाद के लक्षण: सामाजिक सद्भाव, धर्मों की समानता, अंतर्राष्ट्रीयभ्रातृत्व भाव, अनेकता में एकता और सांस्कृतिक चेतना । पुराण में 'भारतवर्ष' के विषय में विविध विचार । राष्ट्रीयभारत के प्रतीक: राष्ट्रीय गान-जन गण मन.....,राष्ट्रीय गीत' वंदे मातरम ' भारत का राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय प्रतीक 'अशोक चक्र' ।

खण्ड –ख (Section–B)

वैदिक और शास्त्रीय साहित्य में राष्ट्रवादी विचार

घटक (Unit) –1 वैदिक और सांस्कृतिक साहित्य में राष्ट्र 'की उत्पत्ति और विकास:- वैदिक लोगों

की राष्ट्रीय पहचान 'भरत' और 'भरतजन ' ऋग्वेद के अनुसार (3 .53.12 3; 3.53.24; 7.33.6), भूमि सूक्त

के अनुसार राष्ट्र की अवधारणा अथर्ववेद - (12.1,1-12) राष्ट्र 'के तत्त्व शुक्ल यजुर्वेद (22.22)

राष्ट्रभृत होम का राष्ट्रवादी महत्त्व, राज्याभिषेक समारोह शतपथब्राह्मण (9.4.1.1-5)

घटक (Unit) – 2 सांस्कृतिक साहित्य में राष्ट्र की राष्ट्रवादी पहचान- भारतवर्ष की भौगोलिक एवंसामाजिक पहचान विष्णुपुराण (2.3), वाल्मीकि रामायण में 'राष्ट्र ' की भौगोलिक एकता किष्किन्धा काण्ड (46,47,48), कालिदास के रघुवंशम् में सांस्कृतिक एकता (रघुवंशम् चतुर्थ अध्याय), राष्ट्र का जनसांख्यिकी एकीकरण (महाभारत, शांतिपर्व 65.13-22).

खण्ड–ग (Section–C)

आधुनिक संस्कृत काव्य में राष्ट्रवादी विचार

घटक (Unit) 1–स्वतन्त्रता से पूर्व आधुनिक संस्कृत काव्य का राष्ट्रवादी रुझान - आधुनिक संस्कृत में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण आजादी से पहले की काव्य के विशेष संदर्भ के साथ मथुरा प्रसाद दीक्षित का 'भारतविजयान्तकम्', पंडित क्षमाराव की 'सत्याग्रहगीता' चारुदेव शास्त्री की गांधीचरितम्

और अंबिकादत्त व्यास की 'शिवराजविजय'।

घटक (Unit)- 2 - स्वातन्त्र्योत्तर आधुनिक संस्कृत काव्य का राष्ट्रवादी रुझान - आधुनिक संस्कृत में राष्ट्रवादी प्रवृत्तियों का सर्वेक्षण आजादी के बाद की विशेष संदर्भ वाली कविता डॉ.सत्यव्रत शास्त्री, डॉ. हरिनारायण दीक्षित, डॉ० राधा वल्लभ त्रिपाठी, डॉ० अभिराज राजेंद्र मिश्र और डॉ० हरि दत्त शर्मा।

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें।

अंक 04x10= 40

Suggested Books/Readings:

1. R.P Kangale (ed.) Arthashastra of Kautilya, Motilal Banarasidas, Delhi, 1965.
2. R.T.H. Griffith (Trans.), Atharvaveda Samhita, 1896-97, rept. (2 Vols) 1968.
3. H.P. Shastri, Mahabharata (7 Vols), London, 1952-59.
4. H.P. Shastri (trans), Ramayana of Valmiki (3 Vols), London, 1952-59.
5. Jeet Ram Bhatt (ed.), Satapatha Brahmana (3 Vols), EBL, Delhi, 2009.
6. H.H. Wilson (trans.), _gveda samhita (6 Vols), Bangalore Printing & Publishing Co.,Bangalore, 1946.
7. B. Chakrabarty and R. Pandey, Modern Indian Political Thought, Sage Publications,New Delhi, 2110.
8. P. Chatterjee, The Nation and its Fragments: Colonial and Postcolonial Histories,Oxford University Press, New Delhi, 1993.
9. M.K. Gandhi, The Collected Works of Mahatma Gandhi, Navajivan, Ahmedabad,1958.
10. M.N Jha, Modern Indian Political Thought, Meenakshi Parkashan, Meerut.
11. R. Pradhan, Raj to Swaraj, Macmillan, New Delhi, 2008.
12. Hiralal Shukla, Modern Sanskrit Literature, Delhi, 2002.

21. उदयवीरशास्त्री (अनुवा.), कौटिलीयीयअर्थशास्त्र, मेहरचंदलक्ष्मनदास, दिल्ली, 1968।

22. रामनारायणदासशास्त्री पाण्डेय (अनु.), महाभारत (1-6 भाग) हिंदीअनुवादसहित, गीताप्रेस गोरखपुर

23. पंडित क्षमाराव, सत्याग्रह् गीता ,पेरिस 1932।